बाल विवाह एवं दहेज उन्मूलन के राज्यव्यापी अभियान से गाँव, कस्बों और शहरों से हजारों प्रेरणा दूत उभरे हैं। यह उन्हीं में से कुछ प्रेरणा दूतों के साहस एवं हौसलों की कहानियाँ है।

बदलाव की शुरुआत तो हो चुकी
पहला कदम हमारा और अगला आपका!

निशा कुमारी, पटना

बिहार सरकार
''बनना है मुझे शिक्षिका!
जो दु:ख मेरी बहन ने
कम उम्र की शादी कर देखा,
वह अब कोई नहीं झेलेगा''
प्रेरणा दूत
काजल कुमारी, कटिहार

बिहार सरकार
''अब वक्त सपने पूरे करने का है।
न कम उम्र में शादी
ना ही दहेज,
करोगे तो होगी जेल''
प्रेरणा दूत
गुड़िया कुमारी, पटना

''मेरे घर में ना बाल विवाह, ना ही दहेज की बातें। और आपके घर में?''
प्रेरणा दूत
साहिबी ख़ातुन, किशनगंज

बाल विवाह मुक्त
बिहार
बिहार सरकार
''बदलना हमें है,
तभी तो समाज बदलेगा।
बेटियाँ पढ़ी तो देश बढ़ेगा।
अब बाल विवाह को ना''
प्रेरणा दूत

लाडली निशा, किशनगंज

बाल विवाह मुक्त
हमारा
बिहार
बिहार सरकार
''भाई को पढ़ाना है
तो मुझे क्यों नहीं?
बिटिया बोझ नहीं
अभिमान है।''
प्रेरणा दूत
सिद्धी कुमारी, सिवान

प्रियंका कुमारी, पटना

बाल विवाह मुक्त
बिहार
बिहार सरकार
''सिर्फ दसवीं तक पढ़ने का
क्या फायदा।
ऊँची शिक्षा और ऊँचे सपने
यही है मेरी मंजिल
शादी की कोई जल्दी नहीं''
प्रेरणा दूत
रानी कुमारी, वैशाली

बिहार सरकार
''अब तो पूरी निगरानी होगी
घर, गली, गाँव और चौक पर।
ना कोई दहेज लेगा, ना देगा।
दूल्हन भी 18 के बाद''
प्रेरणा दूत
ऋचा कुमारी, पूर्णियाँ

Conceptualized, Designed & Printed by:
Punam # 0 98350 59350

महिला विकास निगम
समाज कल्याण विभाग, बिहार